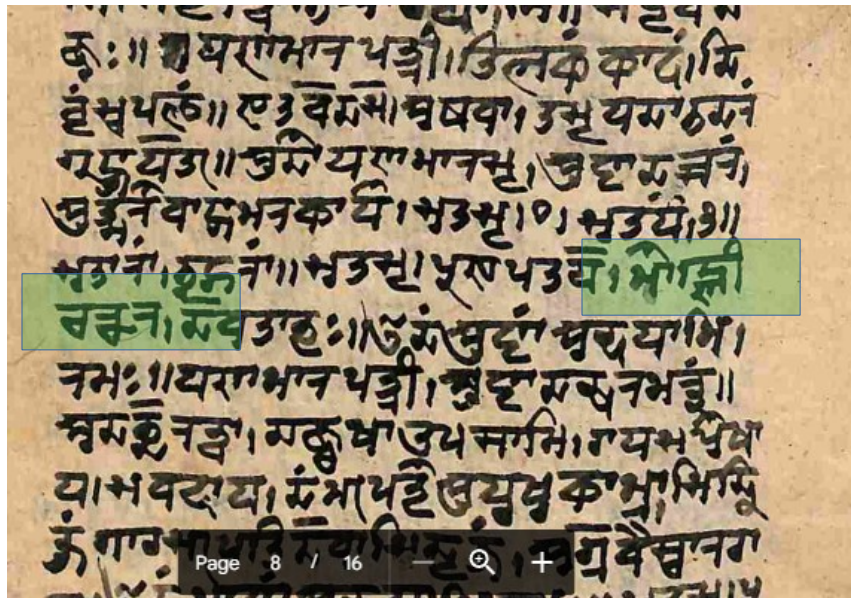


Maunji Bandan (Upananam)

उप-
न
०३

Ref:
 Search Wikipedia

[Create a new account](#) ...

Munj

<https://mr.wikipedia.org/s/71v> 26 languages

[Article](#) [discussion](#)
[Read on](#) [editing](#) [Look at the history](#)

From Wikipedia, the free encyclopedia

Munj / **Upanayana** is the thirteenth Sanskar out of the [sixteen Sanskars](#) in Hinduism . ^[1] This is one of the major rites of Kumara. According to tradition, this rite is prescribed only for men belonging to the [three castes of Brahmins](#) , [Kshatriyas](#) and [Vaishyas](#) . It is also known as Maunjibandhan and Vratibandhan.

यिष्टुमिष्टि सुवर्द्ध, यवविकीद॥ सुवर्द्ध
 धाम्भुदं गेवं, यमूनदुङ्गयका॥ सभेः मि
 रभृककूरं भृष्टलैक नयका॥ सुल्लव
 लं भद्र उताः॥ सुल्लभृगुम कृषितमा॥
 वलिं भृयं गम स्रेय॥ पुपेयं भृतिगृह उता॥
 सत्रिदेवीः लासमु॥ भैमाय भानुमगाय,
 धाम्भृनमः॥ पुनः सत्रिदेवी॥ पुपद्वीरिं॥
 ठगयत्रुं ३॥ भैमाय भानुमगाय, ७ रं वीरुं
 भः॥ भैमाय भानुमगाय, भामल ठनेमू
 वैनमः॥ एवं सत्रि नमः पुपं नमः॥ पुपे
 नमः मीपं नमः॥ वामे नमः॥ भैमाय भानु
 नमः भृष्टुमगाय, भृष्ट नयिणि, भृष्टाप
 रि प्रहृष्टु॥ सत्रं नमः॥ १॥ सुवर्द्ध ३॥ सु
 वदीनं॥ यववं भृष्टु॥ सत्रिदेवी॥ भैमाय
 भानुमगाय, भृष्टा नमः॥ पुनः सत्रि
 देवी गतिधूये॥ सैतिकयं, उजनीयं॥ भैमा
 य भानुमगाय, गति ७ य॥ भिष्टुन, सुयकं
 यरा भानुमगाय, उजने गम, भनिकली, सुनीय॥
 भावि ३॥ ॥ रि नमः भैमाय, भउ कलस
 भं॥ भृष्टा य॥ ठजिठ वनाय, भृष्ट भेनं, भृष्टि
 किं ७ ठव॥ भृष्ट भृष्टं लंप्रवेष्टु भृष्ट उगव ५

ध प्रपत्नीप। भवत्कर्मणि उं गतिनि वृत्त्या
 भि। भगवैः पूरितः उः श्री। श्री भगवतः कुरु
 उं उं नमः॥ पूरितः सा नैव सुं। भिमाय भगवतः
 गय। नमै नैव सुं। विवत्कर्मणि नमः॥ ॥
 उतः सुप्रभु भगवति उतः उपविम॥ उतः पूर
 न सुं॥ सुप्रयभगति। सुप्रभु भगवतीपकभु
 रादेति॥ ॥ सुप्रयभु भगवतः उतः। विवत्
 उमेम कुरुमा॥ कुरु वारा भु भगवतः सु
 द॥ ॥ उमेम भगवतीपकभु॥ भगवतः सु
 भि। भगवतः वारा भु कुरु। सुप्रभगति
 सादः॥ सुप्रयभगति। सुप्रयभगति॥
 विवत्कर्मणि भगवति उतः सु सुद॥ ॥
 यषा विवत्कर्मणि नय उतः सु सुद॥ यषा भगवतः
 उमे कुरुमाति॥ विवत्कर्मणि भगवति॥
 सुप्रयभगति। यषा विवत्कर्मणि भगवति। वराति
 यषा भगवति वराति कुरुमाति। सुप्रय
 यतः कुरुमाति गयः॥ नय नय कुरुमाति
 भगवतः सुप्रयभगति। भगवतः सुप्रयभगति॥
 सुप्रयभगति। यषा सुप्रयभगति। सुप्रयभगति
 भगवतः॥ उतः उतः सुप्रयभगति॥ यषा भगवतः
 सुप्रयभगति॥ भगवति सुप्रयभगति। भगवतः सुप्रयभगति
 य। भगवतः सुप्रयभगति। भगवतः सुप्रयभगति॥ नमै

३५-
 न
 ०३

भैरवि पूजा गकनभा के उना ॥ ॥
 सुषा, मल वृत्त वृत्त वृत्त भागदः ॥ यु
 ज्ञ्या पद सुगदिता ॥ वृत्त वृत्त, क
 लसभा प्रधातुना प्रमना ॥ ठ भैयभि
 मुदा याग कला बालना भवू कर नि,
 युगदा वसु वेना गकि पा मना वीगी
 भा ॥ ३३: यदि ॥ ठ भैयभुं ॥ ठ भैयभुं,
 ३३: ये सुमे वगि ठ भैयि उभदता ॥ भद्र
 ३३: भैयभुं गकि बालना भातुलभा न
 वि ॥ याग कला ॥ याग पदना पिता पादुः
 ठभा ॥ भैयगकि भा वृत्त नभरा, मठी
 मि सुमू मिह ॥ ३, पुन, दिगीता ॥ उता क
 गनादग ॥ यभिमुद सुठमिनी, सुठवा
 ग सुभि ॥ उवा ॥ उलग युह दना ॥ गमगि ॥
 ३३: कलसभा विमल, वृत्त वृत्त पि
 ट करिणि भा विमलना ॥ उरु कलस
 भदग रभा गकि मित्र भपु प्रका ॥ सका
 कला ॥ उता उभता सुभुवना वामा ॥ सुगना
 यागदभुभा सुवृग, भपु पक भति ॥ उभिठप

उधगा कुसलदेभा ॥ पूणा ॥ उडा गना
 नव्व ॥ विनायकय ॥ भद्रगनपतिदेवता
 भद्रधनं, प्रथमीपः ॥ भंभुग ॥ परिणि
 भापमभक्या ॥ सद्येय पद्मगना दरा ॥

॥ ॥ ॥ उडः सुमेसगुभि

भकुलेभा उलकलि, गुणवादादरु ॥

सुललिङ्ग ॥ उडः उरुगुनभा किडा ॥

उकुलेभिग डिभिग उमनं धाक उना ॥

उभिचतूग ॥ गकि उरु ॥ यमना, पद्म

गना किमा ॥ सुग ॥ दनि दुनि, परकम

नाठिठिठा ॥ गनीडा, सवो, सुकिठिगी ॥

गुरुतुकिमुदकगि, पद्मगना उरुना ॥ वा

रिमना ॥ धियेना ॥ उडः सुमे, सुगुध्रुः ॥

गल्लपउयेप्रः भापाभयप्रः ॥

॥ उडः भापला ॥ ॥ सुमिपदियार्ग ॥ सु

वागिकरु ॥ पाइंउिला ॥ निरुगुं गदी ॥

सुगुभनवा ॥ लयादेह ॥ सुगुं परिभभ्रु

पदुदु परिधिमु, परिभीदि ॥ सुमिप

सिधेदुसंशलीयाडा ॥ ॥ सुगुयभम

उध-
 न-
 उ

नमः॥ ५॥ विष्टैः नमः सुषाग्निं विष्टु
 मम नमः तमेवं भद्रं। कसू भवतु यः भ
 वमनु॥ वायवमम नमः तु रिक्तं यः भम
 नमः सुषा वायु गतु रिक्तं लभम नमः सु
 वं भद्रं कसू भवतु यः भवमनु॥ प्रदा
 यमम, दिवेमम, यषा भुदिमिया मम, उ
 वरु ७ यमम नमः॥ सुमहः मम, य
 षा वरु लं विम, देवं॥ २॥ मम मम नम
 उ ममेमम नमः सुषा, मम मम नम
 उया भवमनु॥ ५॥ वरु लं मम नमः सु
 य, यषा वरु क देव॥ ७॥ गल्लु मम नम
 नमः सुसेमम नमः भुता यषा गल्लु विम, म
 भवमनु॥ देवं भद्रं॥ ७॥ सुषाय मम नम
 म सुहृ मम नमः सुषा गल्लु सुमम म
 वं भद्रं कसू भवतु यः भवमनु॥ ३॥
 यदगिमा, मवंपदि वु॥ ३३ः॥ उउउउ,
 मम भुलि॥ भा विरु लि॥ सुदिममग
 ॥ ॥ पूए भउये सु भुं विच पाभि॥ वि
 सुर दिमा डी। भूग, वि दे इ दवनी पाला
 सी, मम टा उया, विचय लभा प्राए पडुन

उप-
न-
इ

भवन्तु लुकेन। त्रिः परि दग्धि। नमस्तु
 यस्तु पदगिकरन्। भित्तिलीगादि। भये
 वल्लं, भवदेष्टुठगः॥ पस्तु भयउति॥
 प्रतमाष्टु भुल्ल। भसिस्तुति॥ भदभुस्तु
 पस्तु पयैभि। उस्तु दीय भानसु॥ भिनं भा
 नसु भिनं भानं, निव पयैभि॥ पस्तु नं दु, मे
 वतं हिंगु भुभी यति गदीव, यतीनं। भु
 नं भुमग्मेः। भुग्मे, पस्तु गग्मे गिति॥
 पस्तु नं दु भलिलानं, पस्तु यग हनभि
 पस्तु नं दु, पस्तु नं, पस्तु॥ पस्तु नं दु, भिसं,
 पस्तु, यग॥ पस्तु नं दु, पस्तु रा नं, पस्तु य,
 भुग्मे कं दह नं वानं। भसिसेयरा भानसु। न
 नेभु। भुले देष्टु, भु, यति स्यति। देय नं भान
 भा। भुले देष्टु, भगिति द्वाति, वेष्टु, भविदेष्टु
 भुनं दुग् केष्टु वनं वत॥ भुग्मे रिक्तु भि
 भुभदे देष्टु। पस्तु पस्तु उ, यस्तु पयैभि
 दविग्मेति, यरा भानं, वीकृते॥ पस्तु वक्तु
 साः। दविग्मे, वेष्टु नं, भुनी उ, भुभं, भुष्टु
 रुः। भदिन भानि। भद भुग्मे, भद भु पत
 नयतः। भद भु वीद भानि। उक्तु रिक्तु॥

उप-
न-
५

उद्भक्त

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
पुष्पिह्वयः पवित्रं सुप्रभयं सुखिनि, गन्धं भूतया ॥
रुभम्भसाया वक्त्रं भृगुगिरिकेभ्यो उपसो गद
णग्या ककि कवनया। लुमल्लभनं भुगदिल
कूप ॥

वधु ॥ भद्रं ॥ मित्रे, याना भद्र गङ्गनीक
 मित्रे ॥ वरुण भद्रः ॥ सुप्र सुवाधु
 वी सुतुगिदं भद्र सुप्र एगउ भुभु धसुभुगद ॥ १ ॥
 उतः भद्र एनविधि ॥ यदग्निमा ॥ इती
 चभामे ॥ मन्त्रन भद्रिभु उडिदं मित्रे ॥ ॥ ॥
 कभामे ॥ मगलि सुले नलिपि ॥ उज्ज्वल ॥ ॥
 मन्त्राग्निं सुदुल प्रतिदिमं ॥ ॥ ॥
 लिह ॥ वतुल कदं ॥ वृद्ध कलम ॥ ॥ ॥
 इ ॥ प्रचाठि भापे रिडे ॥ उभु सुचै भद्र
 भद्रं ॥ सुभनभा ॥ मन्त्र भद्रं ॥ लिपिडे
 भद्र मन्त्रैका पदा गकगीता उवयउ मन्त्रभ
 मन्त्र नभा पदा गमा ॥ मन्त्र भद्रः करु ॥
 उषमन्त्र भद्रं ॥ दधुमय परिभा ॥ ॥ ॥
 गिरदा ॥ ॥ ॥ ॥ उलभुये ॥ यवा प्रेता ॥ यद्र
 मित्रे भद्रिका ॥ धधु भद्र कवेता दधु ॥ ॥
 भद्रं ॥ कगरु ॥ सुदुल कदं ॥ उभु भद्र मयकं
 धापिडे ॥ मयक मन्त्र भद्र ॥ नवगीपा ॥ करु ॥
 ठदिम ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ल ॥ कदडे ॥
 भद्रं ॥ वतुल कदं ॥ मन्त्र भद्र मन्त्रये
 नवगीपा ॥ प्रकउहः ॥ गन्त्रये ॥ ॥ ॥

उभ-
 न-
 ०५

दि० च० मदिनकीभा मगु केभा उभा भूग०
 लगीता भलं सुलिना इयता उतः दमयताः
 वंमो भासि मरुति सुंग लेता, कबुता, वंरु
 मसि कउभादा॥ उत प्रका ननि नेमना॥ सुमे॥
 लयमेह, यरा, भनभा, कलकभा, यराभापती
 या सुपे रिहाः॥ पयभाभ, ककुव, या मनु रिहा
 उत पाति वासः॥ उभा उभा मभा, मगा ठिधि
 सुमि वजभा॥ सुठि क वजभा, मभा॥ यरा न
 यराभा, भद॥ यराभा मभा वचनः॥ उभा उभा
 वता कउता॥ उ उ वि सु मयी, कउता मभा, ह
 मभा रिः॥ रवी उभा, रवीना, यरा नं भउ, ति
 भउति मभा॥ उतः प्रका ननि॥ सुमुठता सुदा मभा
 नरेल॥ यभा निचपनं, उभा प्रका नभा॥ सुमि प्रका
 नभा॥ प्रका पतेन मभा मभा यिता॥ ॥ उ प्रका पते
 नदि उभा उभा, उता वि सु मयी, पतिता उभा
 यका मभा, उता मभा मभा मभा मभा मभा, पतय
 गयी लं भादा॥ प्रका नउता, उता उति वि नका उभा
 यता सुय रता॥ उ मभा यभादा, गीका यभादा॥
 वंमो भादा दितीया यभादा, राना नयभादा॥
 मतीया यभादा॥ मभा मभा मभा मभा, उ उ का ह॥
 भादा॥ मभा यभादा, रादये भादा॥ वंरु लभादा॥
 सुठि रिता भादा॥ उतः उभा मभा॥ मिसु मे मयी॥
 उ दगायः प्रका यभा मभा सु उता मभा यः उ दभा
 मभा मभा मभा मभा मभा मभा मभा मभा मभा मभा
 मभा मभा मभा मभा मभा मभा मभा मभा मभा मभा